



सुन मेरी देवी पर्वतवासनी

Sun Meri Devi Parvat Vasani

www.MandirTheTemple.com

सुन मेरी देवी पर्वतवासनी, कोई तेरा पार न पाया माँ ॥

पान सुपारी ध्वजा नारियल,
ले तेरी भेंट चढ़ायो माँ॥

सुन मेरी देवी पर्वतवासनी, कोई तेरा पार न पाया माँ ॥

सुवा चोली तेरी अंग विराजे,
केसर तिलक लगाया॥

सुन मेरी देवी पर्वतवासनी, कोई तेरा पार न पाया माँ ॥

नंगे पग माँ अकबर आया,
सोने का छत्र चढ़ाया॥

सुन मेरी देवी पर्वतवासनी, कोई तेरा पार न पाया माँ ॥



www.MandirTheTemple.com

Instagram: @MandirTheTemple

YouTube: @MandirTheTemple

Facebook: /MandirTheTemple



अर्थ व विधि
QR स्कैन करें



सुन मेरी देवी पर्वतवासनी

Sun Meri Devi Parvat Vasani Aarti • MandirTheTemple.com



ऊँचे पर्वत बनायो देवालय,

नीचे शहर बसाया॥

सुन मेरी देवी पर्वतवासनी, कोई तेरा पार न पाया माँ ॥



सतयुग, द्वापर, त्रेता मध्ये,

कलियुग राज सवाया॥

सुन मेरी देवी पर्वतवासनी, कोई तेरा पार न पाया माँ ॥



धूप दीप नैवेद्य आरती,

मोहन भोग लगाया॥

सुन मेरी देवी पर्वतवासनी, कोई तेरा पार न पाया माँ ॥



ध्यानू भगत मैया तेरे गुन गाया,

मनवांछित फल पाया॥

सुन मेरी देवी पर्वतवासनी, कोई तेरा पार न पाया माँ ॥



www.MandirTheTemple.com

Instagram: @MandirTheTemple

YouTube: @MandirTheTemple

Facebook: /MandirTheTemple



अर्थ व विधि
QR स्कैन करें